

सुभा सुभा
२४७

1. 2. 3. 4. 5.

सुभा सुभा
२४७

सुभा सुभा
२४७

सुभा सुभा
२४७

श्री

॥

८

॥

८

॥

८

॥

८

॥

८

॥

८

॥

८

॥

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

८

[illegible]

4

۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵
۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹
۳۰	۳۱	۳۲	۳۳	۳۴	۳۵	۳۶	۳۷	۳۸	۳۹	۴۰	۴۱	۴۲	۴۳
۴۴	۴۵	۴۶	۴۷	۴۸	۴۹	۵۰	۵۱	۵۲	۵۳	۵۴	۵۵	۵۶	۵۷
۵۸	۵۹	۶۰	۶۱	۶۲	۶۳	۶۴	۶۵	۶۶	۶۷	۶۸	۶۹	۷۰	۷۱
۷۲	۷۳	۷۴	۷۵	۷۶	۷۷	۷۸	۷۹	۸۰	۸۱	۸۲	۸۳	۸۴	۸۵
۸۶	۸۷	۸۸	۸۹	۹۰	۹۱	۹۲	۹۳	۹۴	۹۵	۹۶	۹۷	۹۸	۹۹
۱۰۰	۱۰۱	۱۰۲	۱۰۳	۱۰۴	۱۰۵	۱۰۶	۱۰۷	۱۰۸	۱۰۹	۱۱۰	۱۱۱	۱۱۲	۱۱۳





महा प्रतापी सुदे दयाराजा प्रजागान

पीतवी चाल मथाना पापरा भूलेजु थापम

मथाना जागपी नी नुयारप नादयसील

देवीदे विगान ह्य विसु महे खर प्राणी

यादुदेव कभन खना व ॥

कोकारिमी मलने मा सेना ~~ह्य~~ ^{ह्ये} यताया

गारदार ल्युल्य ताया दरवारे वना

सुवन् दायादी चुनेदेवी मे ~~म~~ ^म का म

दना कोन पुन्या मना

प्रममहा पा मीवया पुन्या मी

होवा उता मी मी मी मी मी मी मी मी

पयमा हा तुमदे मी मी मी मी मी मी मी

उदुता मी मी मी मी मी मी मी मी मी

प्रदुता मी मी मी मी मी मी मी मी मी

मदता मी मी मी मी मी मी मी मी मी

ता पा आहुः वृद्धि प्रपीतामः आनुः प्रपीतामहः वीः प्रपिताः
आवाः पीती राताः कन्दाः कन्दिताः

ता पा आहुः वृद्धि प्र पीतामः आनुः प्र पीतामहः वीः अ पिताः
 आवाः पी श्री सा ताः कन्नाः कनि स्त पिताः कागुः ऊ स्त सावाः किका
 कनि पानः चमाया कायः वे मा प्रमः आवाया कायः पितृ व्य पुत्र
 ककाया कायः पितृ व्य पुत्र ^{याकाय} कीजा सुयः रागा पुत्र कीजा कायः रागा पुत्र
 कयः पी प्र पाहुः मागुल री चाः रागी ने प समनवुः अ मु च पिता त्वा प्र
 मि प्र रावा भी वृ पती ॥ १ ॥ चमाहु वे मा तु अ मा पि प्र मा मही
 मा महुः कनी स्त पितामहि रोगः प्रजा मती किजाया कलाः रागु काया
 कलाः अ राया काय काय कलाः पुषा आवाया री म स्त रा गा पुषा ककाया री
 कस्त रागा पुष नी नी पितृ म अ रागाः कुल दुमि ताः कस्त कुल दुमि तु
 म्हायः पुषी मायना मेव रागा पुषी

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

अंकुश १५२ १०० चन्द्रत ॐ

ॐ नमः श्री वृक्षसत्ताया ॥ पिण्ड ध्याविधी ॥ के पचा उग्र नी खल ॥ ॥ गोप
गाये पाताय अग्र न नखा ॥ सिद्ध वल्लोभा चन साइ इ पंचामृतलव गम गम अस
रुल रुल कडा मठि उग्र का हाम कृष्ण लपम तंग नाऊ ही ग नाऊ पले स्ना
उद्गा स्वा ॥ धो वा जी सी धुति गाल लाचक माल लया डाल सा लुखा चा डी हरे वा ना
को वना पिण्ड सु ॥ ॥ श्री सूर्यार्घ्य ॥ सुकुण्डलसिद्धि चन गिका उग्र मान यातनिक ॥
ॐ सुवर्ण गिलक रुष नं प्रति रुखा हा ॥ ॥ आकि स्वां उग्र मान याति वसत य ॥ ॥ मति ध
निवृत्ति नी महा प्रति सन न ऊ २ मां ई रुखा हा ॥ ॥ आकि स्वां लव वन कं वा क ॥ ॥
अवतद्रु क सहा नाम लोक भगुने वसत म नं तं नं यादि ॥ ॥ अथः सूक्त माहे ति धो न ऊ प्र
धो ग वा स न यथा वासि ग त श्री सूर्य चंद्र मलिय उग्र मान लय यथा गम व लव यथा नाम व
यस साता हा त कृ त स क ल पा प उग्र पुर्वक यथा आ लो करुल प्राप्ति कामः
पिण्ड न दे मः स्वपिता यथा नाम इ गति मा जन सु र्ना व ति प्राप्ति कामः अस्मि दि न सं आरु पिण्ड

दानार्चन निमीत्यर्थं आदौ श्री सूर्यार्घ्यं नमः ॥ प्रसूयं नमः ॥
नमः ॥ यद्वा पवीतं नमः ॥

८ ९ ७
दानार्चन निमीत्यर्थं आदौ श्रीसूर्यार्चनम् ॥ प्रभुर्धनम् ॥ उलार्चनम् ॥ धूपनम् ॥ जलचन्दनं
नमः ॥ यक्षपवीतं नमः ॥ पुष्पनमः ॥ गोत्र ॥ उपकुसुमसंकाशं काशं पयमहायुग्मि ॥ तं मयि
सर्वपापघ्नं प्रमादिदिनाकरं ॥ ॥ धृतिकर्मपायतः कलपोलसाक्षिः ॥ यमक ॥
~~हविर्लालसंज्ञकं न केन च~~ ॥ अथ कार्यं गुणवत्तं ज्ञात्वा परिपहकार्यं नमः ॥ प्रभुर्धनम् ॥ पा
दार्चनम् ॥ गुणुमागतय ॥ ॥ गुणुमं उलदनम् ॥ अकारं मुखं वलिदिसर्जनम् ॥ ॥ कपरा
दिसर्जनम् ॥ कुम्भकपुत्रय ॥ साइहः पंजासुतः हासगतः धनकपनाय ॥ आहारिसर्जनम् ॥ पूर्वस्वचर्क
~~संज्ञकं पाकयो ॥~~ ॥ गिलाहयतं मुद्रिकुम्भननम् ॥ अथ योः मधुना नासीकावाहु जीर्णता
मधुगादनम् ॥ दधिजकतिजानु ॥ एताभ्यं नहसुपा ॥ दधौः ॥ अन्नादौ सर्वमप्राचयतं बुद्धिर्नय
वान् ॥ ॥ कुम्भनं स्वमाकलउयम् ॥ अनाम्बुजकुम्भमहिदधिजीवगिलसुभा ॥ मधुसंज्ञपना
शंका अष्टौ गविं उल्लसकाः ॥ पिठयनं महकपाशीधामक ॥ पिठुः कायक ॥ पिठुः रागधयक ॥ प्रथ
मपिठुः रागं स्नाता ॥ प्रपितामहयथानामपिठुः रागं लिख ॥ तपः आहु ॥ पितृमहयथानाम

विष्णु रा ग स्व ध ॥ **अनु** ॥ स्व पि ता य ध ना म वि णु रा ग स्व ध ॥ **अनु** ॥ वि क ज य रा ग
 स्व ध ॥ **निक** ॥ **वे प्र य य ना रा ग री त व ॥** वे प्र ग र्ह स्वा हा ॥ **॥ वि णु स स य म**
न य ॥ वि णु ग र्ह स्वा हा ॥ **वि णु स्ना य भू स्थ लिला हा सी क ॥** वे प्र रा ग य स म ग यु ग या ग क भ स न
 न य ॥ **का क ॥** य ध न ग ध ग ता यां पु र्व ग म न र यः सा प नि पा नि ता द डि ना रि मु खं वि णु पि ता
 वि प नि ना दे व ता या नि सि ना वि ष र रु ध क कू च द प्र ण ना या दे व ता यां म हा व ला क न का र य
 ह्य दे व न्द्रा श्री म न्ना य प क ध ॥ प्र ण ना क क सि ह स्य ब्र ह्म द्रा वि द ल म्ब जाः प्र दे व प्र मु खा
 नां ह्म द मा मि न मा मि तां ॥ अ र्थ ध र्म चा तु वा गी श्वा य क सा स न मु प रि ष तां ॥ **पंच र गे मा**
 तु कं कु भ स न मु ज छी ता ॥ वे भ न ला य कु भ स न मु प रि ष तां ॥ **कु स ल ॥** न सु च वि प
 रा पा न र यः स्वा हा ॥ **न ख न हा या य ॥** अ रि वि ना न र यः स्वा हा ॥ **स्नां शा की ॥** सु पु ष्पा ऊ र
 स्वा हा ॥ **तां ह्य ॥** ला हा नि र्ना र रा व ना ॥ अ धि प त्र पा न र यः स्वा हा ॥ **ध न न य न का**
न य ॥ सा इ ह प ना मृ ग ज्ञा न ॥ **वा क ॥** स तिल स दृ त स म पु स र्वा प क न ल स हि ग य
 स्वा हा ॥ **अ धा दि ना क ॥** वि प मि मि मि र क क च न

दे व प्र मु खा नां स तिल स दृ त स म पु स र्वा प क न ल स हि ग य
 स्वा हा ॥

[illegible]

साइइ. ~~पुनः~~ ~~सुगमान~~ ॥ लक्ष्मी चर्न काचनपर्वत लं ग्रेला क ना पंति मल प्रदेन
वु का विडु का लुड पत्र नं वं नम गल र वतु न पयमा हि व नः ॥ अरि मय ॥ अमि हि
मं मडा व डी प्रे चम तर्क नम म्हु नं ॥ ददा मि स विडु का नां प्रि शु ~~पाल~~ ल व सी र व ॥ ~~कुरु~~ ~~कुरु~~
~~न~~ ॥ पुति दि वं स मा चर्मा अ का सु का ल्य ना विला ॥ अ म का नु क पा च चरु तु क म स नु
ह व ॥ ॥ ~~द्व~~ ~~पि~~ ~~य~~ ~~ग~~ ~~य~~ ॥ ॐ न मा र ग व न वे च न न ना का य त थ ग ता या ई न ल म्भ ग
रि डु का य ॥ न द्र थ ॐ शु क १ स म २ म क २ दा नो र अ ना व म्भ न य म य म्भ ग म स हा
मं क नि ना वं म नि वा कु ल नि र्वा ले म र्व तु डा नो पि या ना पि डि न स्का हा ॥ नम र्का न ॥ पाय
म ॥ श्री ध र्म अ तु न गी म्भ र ह द्रा व क त्यः पा र्थ प्र ती च्छा हा ॥ ॥ स्वा ना य ॥ वे वा च ना
य स्वा हा ॥ अ ऊं ~~स्वा~~ य ॥ न व र्म र वा य स्वा हा ॥ अ मि ता रा य ॥ अ म्भ व सि ड य ना
ग ना य ॥ यो व ना ये ॥ पा ~~म~~ म म के ॥ ॥ ॐ न न्दा ये स्वा हा रा द्रा ये ॥ ज या ये
श म्या ये ॥ क पि ता ये ॥ पं च ग म्भ र का ये स्वा हा ॥ ॥ वे स्वा न ना य स्वा हा म नि रा द्रा य पु
रु र द्रा य ॥ च न च ये ॥ व रु पु र्ण प्र ति च्छा हा ॥ श्री न र्म

रु र द्रा य ॥ च न च ये ॥ व रु पु र्ण प्र ति च्छा हा ॥ श्री न र्म

लुंरडा य० चन चये० वरुपुर्ण प्रविष्ट स्वाहा ॥ सीने गिर्णे ॥ चंदन नमः ॥ इडका ॥ वरुन म
स्वाः ॥ पुष्प नमः ॥ सो नडी ॥ दधि च क्रोना दान पार मिपुडा मय स मुद्र स्वर न सम यई ॥ रुला
रुल वा इ इ ता दा ठि म ठि रु ला द य न के टी नु ट ना री रा न ता नि रुल ठी क थं ता ॥
सा ॥ सर्व विरु हीं आ ली क काल २ काल म २ दी प प्र हा पान मी ता पु जा मय स मुद्र स्वर
नली सम य स्वाहा ॥ उप ॥ धम २ चूप चन पान मी ता पु डा मय स मुद्र स्वर नली सम
य स्वाहा ॥ ता य ॥ यथ मा वा धा दि ॥ ॥ थ न के न न ॥ नम स्तु पं क्त बुद्धानां अरु त्पा
दिकु लं क ॥ म च ये ना चन नाथं पंच बुद्ध नम स्तु ॥ ॥ नन्दार डा डा या सो आ क
पिला न कृ पाव गि ॥ प्र सि डि श्र महा ल ॥ श्री आ ना जा ग्य स प दं नु क सं वी क र्त्त क त
वे सु व र्त्तु म हा डा न वे स्वा न न म ह वै व दे सर्व स प ती दा य न ॥ का किल र व न या धा य हा य ॥
य थ दि मा न अ न लं क ल्य सि की न कु ॥ ल श्रा क्त ल सा डेल नि ल ला वि य ॥ धनं क स अंगु
मा य न उ क नी मा य म न क डा गु ला हा थ का य ॥ पु ग लि न या ग कु मा स न व थ ॥

अथ वक्र ॥ पूर्व वाचिसत्त्व नदी नर्मदिता पूर्व गमनं स्वः लफ पुनश्चरयः पुस्तक
विष्णु नार्थ दिवंगत ॥ अथ सन धायक ॥ अस्मत्पुत्रक मानस्य न गंतुता सति लोस
मासासद्युत सती पद्मवन सरवत सहिताय प्रपितां महयथा नाम कुभासनमुपति
ष्ठता ॥ कुभपुत्रिमा मुपतिष्ठता ॥ कुभवनमुपतिष्ठता ॥ पितां महयथा नाम कुसा
सनमुपतिष्ठता ॥ कुसपुत्रीमा मुपतिष्ठता ॥ कुभवनमुपतिष्ठता स्वपितायथना
म कुभासनमुपतिष्ठता कुभपुत्रिमा मुपतिष्ठता ॥ कुसासनमुपतिष्ठताः
कुसालपत्न्यै तय ॥ वसुधैवि पत्र पात्रं त्वस्वधाः स्वाः जिकितये ॥ सुपुष्पा क्षर्ग स्वधा ॥ पिन्दवः प्र
पितामहः यथा नालं न सुपतिस्थीत वक्र आसनं स्वधाः पिन्दु सं गलंतयकं वाक्क उत्पः त्वला भाव
नायायः अथि पत्र पात्रं त्वस्वधाः गिलादक विष ॥ गिलादक स्वधा ॥ गिलादक स्वधा ॥ राह ॥
कंकनि १ चनि २ गिलादक विष ॥ गिलादक स्वधा ॥ गिलादक स्वधा ॥ राह ॥
गपुष्प अपविमी गा यू पुष्प स्नान संस्वभा पवितां सर्व संस्नान परिशुद्ध धर्मा गगनसु
ग १ स्व ॥ राव विष्णु महा नय पनी वा न स्वाहा ॥ विष्णु तिष्ठे ॥ चंदन चन्दन दान पारमिता पुत्री
प्रयस मूडस्व ननस्वमय स्वधा ॥ ऊर्ध्व ॥ वस्व वस्व श्रीलदान पावमिता पुत्रा मयसमदमर
समय स्वधा ॥ गंगाना ॥ गंगाना ॥ गंगाना ॥ गंगाना ॥

प्रयस मूडस् ननस मय स्वध ॥ **ऊँ** ॥ वस् वस् श्रीलक्ष्मण पा नमि गा पुत्रा म धस मूडस् र
समय स्वध ॥ **गंगा** ॥ **रंगना** ॥ गंगा रंगना पुष्प श्रीलक्ष्मण पा नमि गा पुत्रा म धस
दुस् नली समय स्वध ॥ **धवली** ॥ दधि चक्र अन्न दान पा नमि गा पुत्रा म धस मूडस् नली
समय स्वध ॥ **रूल** ॥ रूल बहा म पु ४४ श गादादि म प्रिकर्क निनुट नान रा न ता निरूल
अनय ॥ **मग विम** ॥ दिष स्वध ॥ पु पा ॥ पु प स मूडस् नली समय स्वध ॥ **अश** ॥ मुनि २ महा मु
नी सर्व म सुखा व श्या या मनु ग कं र स्वध ॥ **नम** ॥ नम ४४ क सिंहा य च म चक्र प्र ४४ ॥ गे ॥ गे ॥
ग ग र सर्व ॥ वय त्सर्व दुर्गे ति ॥ **विंदु** ॥ विंदु न क र्सर्व र्स कल्प रा वा रा व वि व ४४ सा न्क सी ह नम स्कु
४४ मूड प्र कृ ति निर्मली ॥ **सि** ॥ यथा दी मान अन्न र्स कल्प सि दी रस् ॥ सर्वे न सुखा व या म
नु ग कं र स्वध ॥ **रूल रूल** ॥ यहा के ॥ यत ल म ॥ सा को प ना त य पि द न के वा न्क पु ४४ ॥
॥ य न ड कृ रि स्व डी झा हा थ ना या नि कल ॥ **पंचा** ॥ पंचा मू ॥ सा ४४ ॥ ले ॥
॥ **सगीला** ॥ सही ना य स्वध ॥ **पुन** ॥ पुन ॥ य चा स्मि न कु ले का गा पु
प्र का प वा ध वा आ लं ग र्ता वि नू पा च हा ना हा न कु ले म मः ॥ र मो तु षा ति तु फा पा सु स्का न

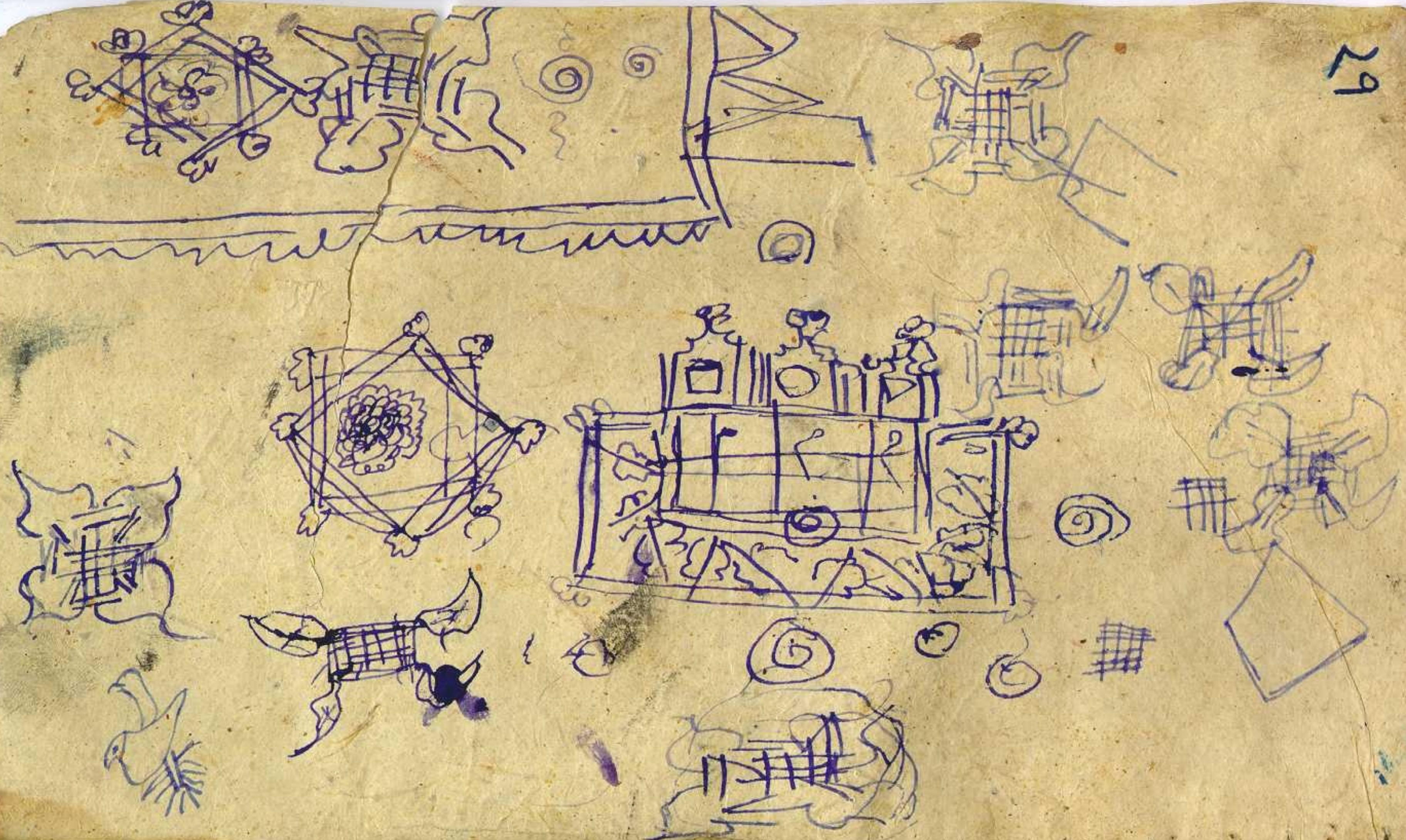
ॐ निबल ॥ अक्का मृष्ट महा धी नं अक्का वीननी न दी ॥ अक्का पायी महा धी नं वी व ॥

हि निबेल ॥ अका मृ पू महा धी नं अका वेनी न दी ॥ अका या यी महा धी नं त्वं बुद्धि ल मा म्य हं ॥
रमा ॥ मुनि २ महा मुनि सु ला व सा मनु ग चं तु ख च ना ॥ विसर्जन ॥ यथा दि मान अ न स क ली स
दि न सु ॥ ॥ अफि का य ॥ ॥ अजा म उ ल धि ल ॥ चंदन गि कं ऊ ऊ का सा य ॥ पलं ला ॥ ५
हो ला का य ॥ म मा बला दि पु ल न म ॥ क व न ॥ न म ल पं न बुद्धा ना ॥ न द्या र द्या क या ॥ पा दि
॥ न म लं अ क सि हा य व म च क प्र व र्ति त ॥ अ नु क र ग र स र्वे अ ध य स र्वे दु र्ग ति ॥ का य कि
या य ॥ ॥ अका य ॥ दधि जी न दान पा न मी ता ॥ ॥ य का ॥ म ल मी ला अ क दान पा न नि ता ॥ म द्या ॥
अ मृ ६ अ मृ त स र व स्वा हा ॥ ॥ का य ॥ ॥ अका य ॥ धन कि ल म ग ने ॥ गु न पु का द जी ना नि स ला
ल का ल सा स पि द मा य ॥ वा क ॥ दान पतं ॥ ॥ अ ह लो कं प नी ल अ प्रे ग लो कं स ग च्छ ति ॥ पु त ला
कं प नी ल अ स र्वे लो कं स च्छ ति ॥ ॥ पं न प ना व पु का ॥ ऊ उ मान मा न वि धा ती क ॥ स्था वि ये ॥ पा ति वि ध व
या व न स र्वे ला अ लु का का वा य का व अ स जि ना वा ॥ अ नू पि जा वा ॥ व व र्ग जी वा ॥ स र्वे तं सु त वा
व ला मनु ग चं तु ख च ना ॥ ॥ नि कं य ता पा न ला व मा ना व द स का प र्ण क पु य क ॥ पु
का य म प ना ध ने ॥ ऊ न न धि य ॥ ॥ श्री ध र्म का ला का म अ गु ग र्ग ॥

पंचरत्न माता ॥ वे भूतना का न्य ॥ पुत्री का सुखावति गच्छ ॥ प्रपि ॥
महयथा नाम सुखा ॥ विता मह यथा नाम सुखा ॥ विकला य सुखावती गच्छ ॥ कु
कपजासतय ॥ अस्मा भस्माद्याय ॥ सुगंधाति पृथ्वी नमः ॥ विसर्जन माय ॥ पिलुवय ॥ हा
मर्लाहा सि ॥ वसु पत्र प्रमाह न विठ्ठल दया ॥ ग मा उर्ध्व भूत फलम प्राप्ता कुतूभ ॥
कुवभरी ॥ ॥ नस्मा भूत धन ॥ मताग ॥ लुखान भित्त विठ्ठल पातल आना पिले ॥
वैदिका यी वहीर प्रोस्था पयस् विठ्ठलार्जुन ॥ इल भना प्रिली कृष्ण सगच्छ सनत प्रप ॥
विठ्ठल य ॥ ॥ ॥ गि पिल क्रिया विधी ॥ ॥ भुरा म् ॥ ॥

20

1888





7

Q2384595
Q2384595

923243

23086086

399

Handwritten text in a cursive script, likely a signature or a name, written in dark ink on aged paper.

20

10

39345

باز

9232426

395

923826

222459

92323

21

23425811



23

10

22843 75 3 10 11/12 22 20

2894
2895

1997

11 2 19 11

A close-up of a page from an old manuscript, showing dense, handwritten text in a cursive script. The ink is dark, and the parchment is aged and discolored. The text is written in a single column, with some words appearing to be in a different script or dialect than others. The overall appearance is that of a historical document, possibly a letter or a record.

A circular purple ink stamp on aged, yellowish paper. The stamp contains stylized Chinese characters, likely a seal or signature. The characters are arranged in a circular pattern, with some characters being more prominent than others. The ink is a deep purple color, and the paper shows signs of age and wear.

卷之四

乙未



159

263

2809

70